जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय,बलिया

प्रश्न-पत्र का नाम - हिंदी भाषा और साहित्य

प्रश्न-पत्र का कोड़ - HINCC118

क्रेडिट -4 सतत् आन्तरिक मूल्यांकन -25 अंक

पूर्णांक -100 सत्रांत परीक्षा -75अंक

पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम का उद्देश्य- यह प्रश्न-पत्र हिंदी से इतर विषय के विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया है. इसका मुख्य उद्देश्य अन्य विषयों के विद्यार्थियों को हिंदी भाषा,साहित्य और देवनागरी लिपि से सम्बंधित आधारभूत जानकारियां देना है.हिंदी भाषा और लिपि के अध्ययन से प्रतियोगी परीक्षा में उन्हें कुछ सहायता मिल सके.हिंदी साहित्य के अध्ययन से उनकी साहित्यिक और संवेदनात्मक भावों का विकास हो सके.

क्रम.	शीर्षक	व्याख्यान अवधि - 60 घंटा	शिक्षण विधि
	इकाई -प्रथम **हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि**		
1.	हिंदी भाषा का विकास ,हिंदी की बोलियाँ, संविधान में हिंदी, राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी ,देवनागरी लिपि की विशेषताएं एवं सुधार के प्रयास, हिंदी स्वर और व्यंजन का वर्गीकरण।		व्याख्यान विधि /श्यामपट्ट कार्य/समूह परिचर्चा /विश्लेषण
	इकाई -द्वितीय **हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास**		
2.अ.	आदिकाल -सामान्य परिचय और प्रवृत्तियां। भक्तिकाल-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियां । रीतिकाल-परिचय और प्रवृत्तियां।		व्याख्यान विधि /श्यामपट्ट कार्य/समूह परिचर्चा/विश्लेषण

2.ब.	आधुनिक काल-परिचय और प्रवृत्तियां • आधुनिक हिंदी काव्य का विकास। • आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य का विकास।		
	इकाई-3 **काव्य खण्ड**		
3.अ.	**कबीर**-सहज को अंग -1-4 दोहा, कबीर ग्रंथावली सं-श्यामसुंदर दास **तुलसीदास** – • कबहूँ ससि मागत आरि करैं कबहूँ प्रतिबिंब निहारि डरैं..... • खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि.....		व्याख्यान विधि /श्यामपट्ट कार्य/समूह परिचर्चा/सस्वर वाचन
3.ब.	**माखनलाल चतुर्वेदी** -पुष्प की अभिलाषा। **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'**-जूही की कली ,तोडती पत्थर। **नागार्जुन** -कालिदास सच-सच बतलाना ,अकाल और उसके बाद। **केदारनाथ सिंह** -धानों का गीत		व्याख्यान विधि /श्यामपट्ट कार्य/समूह परिचर्चा/सस्वर वाचन
	इकाई-4. **गद्य खण्ड**		
4.अ.	**कहानी** **चंद्रधर शर्मा गुलेरी** -उसने कहा था। **फणीश्वरनाथ रेणु** -तीसरी कसम।		व्याख्यान विधि /श्यामपट्ट कार्य/समूह परिचर्चा/ सस्वर वाचन
4.ब.	**निबंध** **भारतेंदु हरिश्चंद्र** -भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है। **हजारीप्रसाद द्विवेदी** – अशोक के फूल।		

अधिगम परिणाम -

हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि की समझ बढेगी.राजभाषा और संपर्क भाषा के वर्तमान रूप से परिचित हो सकेंगे.हिंदी की सांविधानिक स्थिति से परिचित हो सकेंगे.हिंदी की वर्णमाला के उच्चारण के सही रूप से परिचित होंगे.हिंदी साहित्य से परिचित होंगे और उसका विवेचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे.कविता के सस्वर पाठ से उच्चारण कौशल का विकास होगा.कहानी पाठ से कथा साहित्य से परिचित होंगे और आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास होगा.

सहायक ग्रन्थ:-

- भाषा विज्ञान - डॉ॰ भोला नाथ तिवारी,किताब महल प्रकाशन,प्रयागराज
- भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र - कपिल देव द्विवेदी,विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
- भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ॰ देवेन्द्र नाथ शर्मा,राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली
- आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना-डॉ.वासुदेवनन्दन प्रसाद,भारती भवन प्रकाशन
- हिंदी साहित्य का सरल इतिहास-विश्वनाथ त्रिपाठी ,राजकमल प्रकाशन,नयी दिल्ली
- हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल,वाणी प्रकाशन ,नयी दिल्ली
- हिंदी साहित्य की भूमिका-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी,राजकमल प्रकाशन,नयी दिल्ली
- कबीर ग्रंथावली - सं.श्यामसुंदर दास ,लोकभारती प्रकाशन,प्रयागराज
- कवितावली-तुलसीदास,गीताप्रेस,गोरखपुर
- हिमतरंगिणी-माखनलाल चतुर्वेदी,भारती भंडार,प्रयाग
- नागार्जुन रचना संचयन -सं.राजेश जोशी,साहित्य अकादमी,नयी दिल्ली.
- सतरंगें पंखों वाली-नागार्जुन,वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली
- प्रतिनिधि कविताएं-केदारनाथ सिंह,राजकमल प्रकाशन,नयी दिल्ली
- चंद्रधर शर्मा गुलेरी (दूसरा-भाग) -सं.सुधाकर पाण्डेय,नागरी प्रचारिणी सभा,वाराणसी
- निराला संचयिता -सं.रमेशचंद्र शाह ,वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली
- ठुमरी कहानी संग्रह-फणीश्वरनाथ रेणु,राजकमल प्रकाशन,नयी दिल्ली
- अशोक के फूल- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ,लोकभारती,प्रयागराज
- भारतेंदु के श्रेष्ठ निबंध -सं.सत्यप्रकाश मिश्र,लोकभारती प्रकाशन,प्रयागराज